खाद्य सुरक्षा और लैंगिक समानता: CARE

प्रिलिम्स के लिये:

खाद्य सुरक्षा, लैंगिक समानता, कोविड-19

मेन्स के लिये:

लैंगिक असमानता और खाद्य असुरक्षा के बीच की कड़ी।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में "खाद्य सुरक्षा और लैंगिक समानता: ए सिनिर्जस्टिक अंडरस्टडी सिम्फनी" नामक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें लैंगिक असमानता एवं **खाद्य असुरक्षा के बीच वैश्विक संबंध पर प्रकाश डाला गया।**

- यह रिपोर्ट CARE द्वारा जारी की गई थी, जो महिलाओं और लड़कियों के संदर्भ में वैश्विक गरीबी तथा भुखमरी से लड़ने वाला अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठन है।

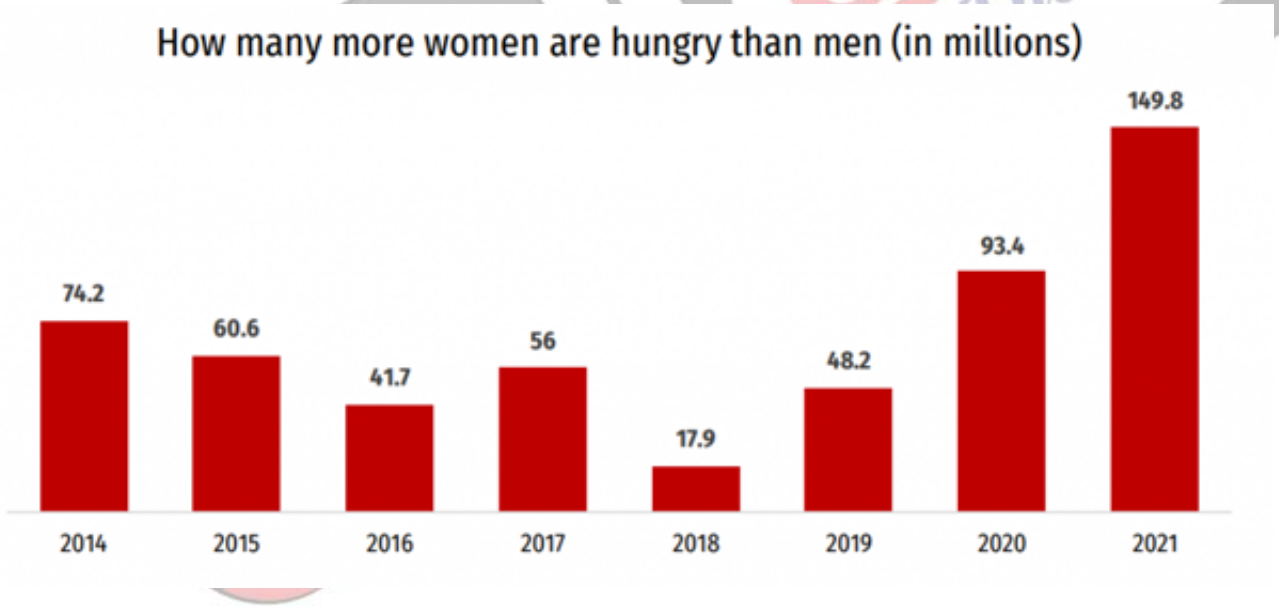

//

प्रमुख बिंदु

- **खाद्य सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता लैंगिक अंतर:**
  - दुनिया भर में पुरुषों और महिलाओं की खाद्य सुरक्षा के बीच की खाई बढ़ती जा रही है।
    - वर्ष 2021 में कम-से-कम 828 मिलियन लोग भूख से प्रभावित थे। उनमें से पुरुषों की तुलना में 150 मिलियन अधिक महिलाएँ खाद्य असुरक्षा प्रभावित थीं।
  - **रिपोर्ट के अनुसार, 109 देशों में लैंगिक असमानता बढ़ने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में कमी देखी गई।**
    - वर्ष 2018 और वर्ष 2021 के बीच भूख से पीड़ित पुरुषों की तुलना में भूख से पीड़ित महिलाओं की संख्या में 8.4 गुना वृद्धि हुई, जिसमें वर्ष 2021 में भूख से पीड़ित पुरुषों की तुलना में 150 मिलियन अधिक महिलाएँ थीं।

- **लैंगकि असमानता और कुपोषण:**
  - लैंगकि समानता स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्वकि स्तर पर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा से अत्यधकि जुड़ी हुई है।
  - कसिी देश में जतिनी अधकि लैंगकि असमानता होती है, वहाँ उतने ही अधकि भूखे और कुपोषति लोग होते हैं।
  - **यमन, सएिरा लयिोन और चाड जैसे** उच्च लैंगकि असमानता वाले राष्ट्रों ने **सबसे कम खाद्य सुरक्षा एवं पोषण का अनुभव कयिा।**
- **महलिाओं पर अधकि भार:**
  - यहाँ तक कि जब पुरुष और महलिा दोनों तकनीकी रूप से खाद्य असुरक्षति होते हैं, तब भी महलिाएँ अक्सर ज़्यादा प्रभावति होती हैं, क्योंकि इस स्थति में पुरुष कम भोजन करते हैं, जबकि महलिाएँ भोजन छोड़ती पाई जाती हैं।
    - लेबनान में कोवडि-19 महामारी की शुरुआत में 85% लोगों ने भोजन में कमी कर दी। उस समय केवल 57% पुरुषों की तुलना में 85% महलिाएँ कम खाद्यान्न खा रही थीं।
- **महलिाओं में कम खाद्य असुरक्षा का अनुभव:**
  - जब महलिाएँ नौकरी करती हैं और पैसा कमाती हैं या जब वे सीधे खेती के कार्य में शामलि होती हैं, तो उन्हें खाद्य असुरक्षा का अनुभव होने की संभावना कम होती है।
- **महलिाओं के गरीबी में रहने की अधकि संभावना:**
  - पुरुषों की तुलना में महलिाओं के गरीबी में रहने की संभावना अधकि होती है, क्योंकि उनके काम का कम भुगतान कयिा जाता है या बलि्कुल भी भुगतान नहीं कयिा जाता है।
  - कोवडि-19 महामारी से पहले भी महलिाओं ने पुरुषों की तुलना में तीन गुना अधकि अवैतनकि कार्य कयिा।

सफिारशिें:

- जसि प्रकार महलिाएँ दुनयिा का भरण करती हैं, उसी तरह से उन्हें डेटा संग्रह के तरीकों और वशि्लेषण में सही जगह दी जानी चाहयि ताकि वे उन अंतरालों को दृश्यमान बना सकें और उन अंतरालों का समाधान खोजने के लयि काम कर सकें।
- यह खाद्य सुरक्षा और लैंगकि असमानता की वैश्वकि समझ को अद्यतन करने का समय है तथा संकट के कारण प्रभावति समुदायों में महलिा संगठनों सहति स्थानीय अभनिेताओं को महलिाओं और लड़कयिों को भूख से जुड़ी लगि-आधारति हसिा और सुरक्षा जोखमि से बचाने के लयि आवश्यक धन और समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता है।
- ये सभी SDG लक्ष्य 5 की उपलब्धि पर नरि्भर करते हैं, जो लैंगकि समानता हासलि कर सभी महलिाओं और लड़कयिों को सशक्त बनाता है। वर्ष 2030 तक लैंगकि समानता हेतु भेदभाव के कई मूल कारणों को खत्म करने के लयि तत्काल कार्रवाई कयि जाने की आवश्यकता है जो अभी भी नजिी एवं सार्वजनकि क्षेत्रों में महलिाओं के अधकिारों को कम करते हैं।

खाद्य सुरक्षा और लैंगकि समानता से संबंधति पहलें:

- **वैश्वकि:**
  - अंतर्राष्ट्रीय महलिा दविस (8 मार्च)
  - संयुक्त राष्ट्र महलिा
  - पोषण पर कार्रवाई का संयुक्त राष्ट्र दशक (2016-2025)
  - सतत् वकिास लक्ष्य (2)
  - वशि्व खाद्य कार्यक्रम (WFP)
  - वैश्वकि भूख सूचकांक
- **भारतीय:**
  - पोषण अभयिान
  - अंत्योदय अन्न योजना (AAY)
  - समेकति बाल वकिास योजना (ICDS)
  - मध्याह्न भोजन (MDM)
  - प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
  - ग्राम पंचायत में महलिा सभा
  - राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभयिान (RGSA)
  - वज्ञिान ज्योति योजना
  - करिण योजना
  - बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना
  - महलिा ई-हाट
  - राष्ट्रीय शशिुगृह योजना
  - वन स्टॉप सेंटर योजना

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन का उद्देश्य देश के चहिनति ज़लिों में स्थायी तरीके से क्षेत्र वस्तिार और उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से कुछ फसलों के उत्पादन में वृद्धि करना है। वे फसलें कौन-सी हैं? (2010)

(a) केवल चावल और गेहूँ

(b) केवल चावल, गेहूँ और दालें
(c) केवल चावल, गेहूँ, दालें और तलिहन
(d) चावल, गेहूँ, दालें, तलिहन और सब्जियाँ

उत्तर: (b)

- राष्ट्रीय वकिास परषिद (एनडीसी) ने 29 मई, 2007 को आयोजति अपनी 53वीं बैठक में चावल, गेहूँ और दालों से युक्त खाद्य सुरक्षा मशिन शुरू करने के लयि एक प्रस्ताव अपनाया, जसिसे चावल का वार्षकि उत्पादन 10 मलियिन टन, गेहूँ का 8 मलियिन टन और ग्यारहवीं योजना (2011-12) के अंत तक दालों में 2 मलियिन टन की वृद्धि करना था।
- तदनुसार, एक केंद्र प्रायोजति योजना के रूप में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन' (एनएफएसएम) को अक्तूबर 2007 में शुरू कयिा गया था।
- मशिन 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 25 मलियिन टन खाद्यान्न के अतरिक्ति उत्पादन के नए लक्ष्यों के साथ जारी रहा, जसिमें 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक चावल, गेहूँ और दालों के अलावा 3 मलियिन टन मोटे अनाज का उत्पादन करना शामलि हैं।

अतः वकिल्प (b) सही उत्तर है।

प्रश्न. नम्निलखिति में से कौन-सा वशि्व के देशों के लयि 'सार्वभौम लैंगकि अंतराल सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स)' का श्रेणीकरण प्रदान करता है?

(a) वशि्व आर्थकि मंच
(b) यूएन मानव अधकिार परषिद्
(c) यूएन वूमन
(d) वशि्व स्वास्थ्य संगठन

उत्तर: (a)

- जेंडर गैप रपिोर्ट, स्वट्ज़िरलैंड स्थति **वशि्व आर्थकि मंच** द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है।
- वर्ष 2006 में पहली बार जारी इस रपिोर्ट में चार बदिुओं को ध्यान में रखते हुए वभिन्नि मानकों पर व्यापक सर्वे और अध्ययन के आधार पर आँकड़े जारी कयि जाते हैं, जो हैं-
    - स्वास्थ्य एवं उत्तरजीवति
    - राजनीतकि सशक्तीकरण
    - शक्षिा का अवसर
    - आर्थकि भागीदारी और अवसर
- **अतः वकिल्प (a) सही उत्तर है।**
- हाल ही में **वशि्व आर्थकि मंच (WEF)** ने वर्ष 2022 के लयि **अपने वैश्वकि लैंगकि अंतराल (Global Gender Gap-GGG) सूचकांक** में **भारत को 146 देशों में से 135वें स्थान पर रखा है।**
- **भारत का समग्र स्कोर 0.625 (वर्ष 2021 में) से बढ़कर 0.629 हो गया है, जो पछिले 16 वर्षों में सातवाँ उच्चतम स्कोर है।**
    - **वर्ष 2021** में भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।

प्रश्न. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधनियिम, 2013 की मुख्य वशिेषताएँ क्या हैं? खाद्य सुरक्षा वधियक ने भारत में भूख और कुपोषण को खत्म करने में कैसे मदद की है? (मुख्य परीक्षा)

स्रोत : डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/food-security-and-gender-equality-care